



अधिकतम : 29° C
न्यूनतम : 24° C

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

हल्द्वानी, गुरुवार 17 जुलाई 2025 हल्द्वानी संस्करण: वर्ष 22 अंक 326 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

www.shahatimesnews.com



विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें।
मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com

श्रावण कृष्ण पक्ष 6 विक्रमी सम्वत् 2082

21 गुरु 1447 हिजरी

नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित



इस दिन का इंतजार था, राहुल-खड़गे के पत्र पर उमर की प्रतिक्रिया
पेज 2



रुट ने फिर हासिल की नंबर-1 टेस्ट बल्लेबाज रैंकिंग
खेल टाइम्स



‘एक्सोलोटल’ की अंग पुनर्जनन क्षमता का रहस्य उजागर
सम्पादकीय



यूएस को भारतीय मार्केट में पहुंच मिलने वाली है: ट्रम्प
पेज 12

स्वर्ण मंदिर को तीसरी बार मिली बम से उड़ाने की धमकी
चंडीगढ़। पंजाब में अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर को पिछले कुछ दिनों में तीसरी बार बम से उड़ाने की धमकी मिली है, जिसके बाद मंदिर और उसके आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) को एक फर्जी ई-मेल आईडी से मेल मिला है, जिसमें मंदिर के अंदर आरडीएक्स से भरे पाइपों से विस्फोट करने की धमकी दी गई है। सुरक्षा कारणों से संदेश के विवरण का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन बम निरोधक दस्ते और खोजी खानों को विस्फोटक खोजने में लगाया गया है। एसजीपीसी और अमृतसर पुलिस को हाई अलर्ट पर रखा गया है। बीएसएफ और पुलिस कमांडो वहां तैनात हैं। आने-जाने वालों पर निगरानी बढ़ा दी गई है और सभी आगंतुकों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। एसजीपीसी अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी के अनुसार मंगलवार को भी केरल के मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्य न्यायाधीश के नाम से एक फर्जी ई-मेल आईडी से ऐसी ही धमकी मिली थी।

कल के हथियारों से आज की जंग नहीं जीत सकते

विदेशी टेक्नोलॉजी पर निर्भरता हमें कमजोर बना रही

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने बुधवार को कहा कि हम कल के हथियारों से आज की लड़ाई नहीं जीत सकते। उन्होंने कहा कि विदेश से इम्पोर्ट की गई टेक्नोलॉजी पर निर्भरता हमारी युद्ध की तैयारियां कमजोर करती है। सीडीएस ने कहा कि यह हमें कमजोर बना रही है।

ऑपरेशन सिंदूर ने हमें दिखाया कि हमारे लिए स्वदेशी सी-यूएस (काउंटर-अनमैंड एरियल सिस्टम) यानी एंटी ड्रोन सिस्टम क्यों जरूरी है। हमें अपनी सुरक्षा के लिए इन्वेस्टमेंट करना होगा। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान



■ स्वदेशी एडवांस टेक्नोलॉजी जरूरी: सीडीएस अनिल चौहान

पाकिस्तान ने अनआर्म्ड ड्रॉन्स का इस्तेमाल किया। अधिकतर ड्रॉन्स मार गिराए गए। ये हमारे किसी भी मिलिट्री या सिविल इन्फ्रास्ट्रक्चर को कोई नुकसान नहीं पहुंचा सके। सीडीएस ने ये बातें दिल्ली के मानेकशा सेंटर में यूएवी और सी-यूएस की प्रदर्शनी में कहीं। युद्ध में ड्रोन के इस्तेमाल पर जनरल चौहान ने कहा कि मुझे लगता है कि ड्रॉन्स इवाल्यूशनरी (विकासवादी) हैं और युद्ध में उनका इस्तेमाल बहुत क्रांतिकारी

रहा है। जैसे-जैसे उनकी तैनाती और दायरा बढ़ा, सेना ने क्रांतिकारी तरीके से ड्रोन का इस्तेमाल किया। हमारे लड़ें गए कई युद्धों में आपने यह देखा है। हम इम्पोर्टेड टेक्नोलॉजी पर निर्भर नहीं रह सकते, क्योंकि यह हमारे युद्ध और डिफेंस ऑपरेशन के लिए महत्वपूर्ण हैं। विदेशी तकनीकों पर निर्भरता हमारी तैयारियों को कमजोर करती है। उत्पादन बढ़ाने की हमारी क्षमता को कम करती है। इससे अहम मैकेनिकल पार्ट्स की कमी होती है।

अदालतों में टॉयलेट की कमी पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली। देश की अदालतों में टॉयलेट जैसी बुनियादी सुविधा की हालत पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने नाराजगी जताई कि देश के 25 में से 20 हाईकोर्ट ने अब तक ये नहीं बताया कि उन्होंने टॉयलेट की सुविधा सुधारने के लिए क्या कदम उठाए हैं? सुप्रीम कोर्ट ने 15 जनवरी 2025 को सभी हाईकोर्ट, सरकारों को निर्देश दिया था कि हर अदालत में पुरुष, महिला, दिव्यांग और ट्रांसजेंडर्स के लिए अलग-अलग टॉयलेट होने चाहिए।

‘उदयपुर फाइल्स’ की रिलीज पर रोक जारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। उदयपुर फाइल्स नाम की विवादित हिंदी फिल्म की रिलीज पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार तक के लिए रोक को बरकरार रखा है, यानी अदालत ने फिल्म निर्माता को कोई राहत देने से इन्कार कर दिया है।

इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने भी इस पर स्टे लगाया था। फिल्म निर्माता की ओर से

■ सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी इस बात का सबूत, फिल्म के खिलाफ हमारी कानूनी लड़ाई सही: मौलाना अरशद मदनी

दाखिल की गई याचिका पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। फिल्म निर्माता की ओर से वकील गौरव भाटिया एवं भाजपा प्रवक्ता ने बहस करते हुए कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रीम कोर्ट ने प्रो. महमूदाबाद के खिलाफ SIA जांच पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित सोशल मीडिया पर कथित आपत्तिजनक पोस्ट करने के आरोपी अशोक विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद के खिलाफ हरियाणा के एसआईटी की जांच प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए और कहा कि यह गलत दिशा में जा रही है। पीठ ने प्रो. महमूदाबाद को बार-बार बुलाने पर सवाल उठाए।

पटना एयरपोर्ट पर टला बड़ा हादसा: दिल्ली से आ रहे विमान को रनवे ओवरशूट का सामना करना पड़ा

पटना। पटना एयरपोर्ट पर बड़ा विमान हादसा टल गया। दिल्ली से आ रहे विमान को रनवे ओवरशूट का सामना करना पड़ा। हालांकि, पायलट ने सूझबूझ से विमान को अनियंत्रित होने से बचा लिया। उन्होंने फौरन गो-अराउंड प्रक्रिया अपनाई और विमान को फिर से सफलतापूर्वक लैंड करवा लिया। इस मामले ने पटना एयरपोर्ट के छोटे रनवे को लेकर फिर सवाल खड़ा कर दिया है। मंगलवार रात नौ बजे दिल्ली से आ रही इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट जीई 2482 ने लैंडिंग के दौरान रनवे के निर्धारित टचडाउन जोन को पार कर दिया।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना को कैबिनेट की मंजूरी

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट ने 36 योजनाओं को मिलाकर 24,000 करोड़ रुपये प्रति वर्ष के परिव्यय वाली प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना को मंजूरी दी।

सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह ऐलान किया है। सरकार ने एनएससीआईएल को नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश के लिए 7,000 करोड़ रुपये की भी मंजूरी दे दी है। इसके

■ हर साल खर्च होंगे 24000 करोड़, 100 जिले शामिल होंगे

अलावा कैबिनेट ने एनटीपीसी को नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश के लिए 20,000 करोड़ रुपये की मंजूरी देने पर भी अपनी मुहर लगा दी है। मंत्रिमंडल ने बुधवार को छह साल की अवधि के लिए प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना को मंजूरी दी है।

mahindra Rise

DON'T KEEP NEW ADVENTURE WAITING

Enjoy offer before it's too late

Benefits up to ₹95 000.00*

6-Speed Cable Shift Transmission
Shift gears with precision and conquer the road while maintaining fuel efficiency

Dual Front Airbags
When it comes to safety nothing else will do

Hydraulic Power Steering
Power through every twist and turn with absolute authority

2nd Row AC vents
Always keep of the equation

Seat Upholstery
Comfort is never in question with the all-new fabric of the dual-tone black and beige interior theme

Faux Leather Wrapped Steering
Driving luxury that others can only dream of having

SCORPIO CLASSIC

*Terms of offer may be altered/amended/withdrawn without prior notice. Accessories shown are not part of standard equipment. *T&C apply. To book online visit auto.mahindra.com.

BAJRANG MOTORS				KUMAR AUTOWHEELS PVT.LTD.			
HALDWANI 7617595006 9997191416	PITHORAGARH 7060201577	ALMORA 9997051025	BAGESHWAR 8126177772	CHAMPAWAT 8126177778	RUDRAPUR 8192835111 8449101234	KASHIPUR 8449904477	KHATIMA 8191899023
					SITARGANJ 8193899109		

[illegible]

पर्वतारोहण व साहसिक पर्यटन को मिलेगी नई उड़ान: धीराज



शाह टाइम्स संवाददाता देहरादून। उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद के सीईओ और पर्यटन सचिव धीराज सिंह गन्याल की अध्यक्षता में साहसिक पर्यटन और पर्वतारोहण के विस्तार को लेकर एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई।

बैठक में कई प्रमुख विभागों, पर्वतारोहण फाउंडेशन, ईकोटूरिज्म

निगम और विभिन्न हितधारकों ने हिस्सा लिया। बैठक में 13 अहम बिंदुओं पर निर्णय लिए गए। सचिव धीराज सिंह ने कहा कि उत्तराखण्ड अब साहसिक पर्यटन को संरचित रूप से बढ़ाने की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा चुका है। बैठक में आई.एम.एफ. अध्यक्ष कर्नल विजय सिंह, निदेशक कर्नल मदन गुरूंग, सीसीएफ प्रसन कुमार पात्रो, टी.टी.एफ. के राकेश पंत,

उच्च स्तरीय बैठक में 13 अहम बिंदुओं पर निर्णय लिए गए

नंदा देवी शिखर खोलने का प्रस्ताव: पर्वतारोहण हेतु नंदा देवी को पुनः खोलने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश। सीमावर्ती चोटियों पर अभियानों की स्वीकृति में तेजी: राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रस्ताव। शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा: गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान को अक्टूबर से मार्च तक खुला रखने की मांग, हिम तेंदुए आधारित ईको-टूरिज्म को समर्थन। पर्यटकों की सुरक्षा पर जोर: वन विभाग, ट्रू ऑपरेंटर और एड. थ. के बीच समन्वित सुरक्षा तंत्र विकसित करने के निर्देश। सिंगल बिंदु पोर्टल निर्माणधीन: ट्रेकिंग पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाने हेतु एकीकृत पोर्टल जल्द लॉन्च होगा। 6000 मीटर से कम ऊंचाई वाली चोटियों को ओपन पीक घोषित करने की पहल: बलजुरी, लस्याधुरा, भनोली और रुद्रगयेंरा शामिल। उत्तरकाशी के सांद्रा पुल ख भोजबासा पुल का पुनर्विकास: हितधारकों की अपेक्षाओं के अनुरूप योजना। ट्रेकिंग रूट्स की वहन क्षमता का पुनर्मूल्यांकन: स्थलों की सूची बनाकर कार्य शीघ्र आगे बढ़ाने के निर्देश। ट्रेकरों की संख्या पर सीमा निर्धारित करने का प्रस्ताव: निगरानी और पारदर्शिता को बढ़ावा देने हेतु। दुर्घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई: साहसिक गतिविधियों में घटनाओं की तत्काल रिपोर्टिंग और आवश्यक कार्रवाई की व्यवस्था। ग्राउंड स्तर पर सहभागिता और प्रशासनिक समन्वय: स्थानीय कर्मचारियों की भागीदारी अनिवार्य; जिला प्रशासन को पूर्व सूचना देने के निर्देश। राष्ट्रीय स्तर पर वार्षिक सम्मेलन का प्रस्ताव: सभी स्टेटहोल्डर्स और ऑपरेंटर्स को एक मंच पर लाने की योजना। भविष्य में नियमित बैठकें: बेहतर समन्वय और समर्पित विकास के लिए निरंतर संवाद की सहमति।

एडवेंचर एक्सप्लोरर्स के वैभव काला, डॉ. पूजा गन्याल समेत कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने उठाई निर्वाचन आयुक्त को बर्खास्त करने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने राज्य निर्वाचन आयुक्त सुशील कुमार को पद से हटाने की मांग करते हुए राज्यपाल ले. ज. (सैन.) गुरमीत सिंह को पत्र लिखा है।

माहरा ने इस मुद्दे को लोकतांत्रिक प्रक्रिया की निष्पक्षता पर हमला बताते हुए इसे गंभीर संवैधानिक चुक करार दिया। कांग्रेस अध्यक्ष ने अपने पत्र में कहा कि राज्य निर्वाचन आयुक्त की और से लिया गया निर्णय, जिसमें शहरी और ग्रामीण निकायों दोनों में



मतदाता पंजीकरण वाले व्यक्ति को ग्राम पंचायत चुनाव लड़ने की अनुमति दी गई है, सीधा-सीधा प्रति. निधित्व अधिनियम 1950 और 1951 का उल्लंघन है। इसके अलावा यह निर्णय उत्तराखण्ड उच्च

न्यायालय के पूर्ववर्ती आदेशों के भी खिलाफ है। माहरा ने कहा कि आयोग का यह फैसला न केवल कानून के खिलाफ है, बल्कि इससे आयोग की निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगते हैं। उन्होंने राज्यपाल से मांग की है कि ऐसी संवैधानिक मर्यादाओं का उल्लंघन करने वाले अधिकारी को तत्काल प्रभाव से पद से हटाया जाए। प्रदेश अध्यक्ष ने राज्यपाल से इस विषय पर मिलने का समय भी मांगा है और भरोसा जताया कि राज्यपाल इस गंभीर मामले में शीघ्र, निष्पक्ष और संवैधानिक कदम उठाएंगे।

सीएम ने लगाया रुद्राक्ष, दिया प्रकृति संरक्षण का संदेश

■ देहरादून सहित राज्यव्यापी पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित
■ हरेला का त्योहार मनाओ, धरती माँ का ऋण चुकाओ थीम पर पौधारोपण

शाह टाइम्स ब्यूरो
देहरादून। उत्तराखण्ड के लोकपर्व हरेला के पावन अवसर पर गोरखा मिलिट्री इंटर कॉलेज परिसर, देहरादून में “हरेला का त्योहार मनाओ, धरती माँ का ऋण चुक। [ओ] थीम पर आयोजित राज्यव्यापी पौधारोपण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को प्रतिभाग करते हुए समस्त प्रदेशवासियों को हरेला पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने रुद्राक्ष का पौधा रोपा।

इस अवसर पर विधायक सविता कपूर, खजाना दास, देहरादून के मेयर सोम थपलियाल, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर.के. सुधाशु, पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ, प्रमुख वन संरक्षक समीर सिन्हा सहित वन विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।



पेड़ बनना ही पौधारोपण की सच्ची सफलता: धामी

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल की जाए, जब तक वे वृक्ष का रूप न ले लें। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड प्राकृतिक सौंदर्य और जैव विविधता से समृद्ध राज्य है, जिसकी रक्षा करना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है।

हरेला हमारी संस्कृति और चेतना का पर्व: मुख्यमंत्री ने कहा कि हरेला केवल एक पर्व नहीं, बल्कि उत्तराखण्ड की संस्कृति, प्रकृति और चेतना से जुड़ा एक गहरा भाव है, जो हमें पर्यावरण के प्रति हमारी

जिम्मेदारियों की याद दिलाता है। उन्होंने बताया कि हरेला पर्व के दिन लगभग 5 लाख पौधे रोपे जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

पौधे के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण को नया आयाम:

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में चल रहे 'पंचामृत संकल्प', 'नेट जीरो इमिशन', 'लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट' और 'एक पेड़ माँ के नाम' जैसे अभियानों का उल्लेख करते हुए

प्रकृति की रक्षा करना एक पुनीत कर्तव्य: गणेश जोशी

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि उत्तराखण्ड में श्रावण मास में हरेला पूजन के उपरान्त वृक्षारोपण करने की परंपरा सदियों से चली आ रही है, जो हमारी सांस्कृतिक चेतना और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का प्रमाण है। हरेला पर्व हमें यह सिखाता है कि प्रकृति की रक्षा करना केवल दायित्व नहीं, बल्कि एक पुनीत कर्तव्य है।

पौधों का सर्वाइवल रेट 80 प्रतिशत से अधिक: सुबोध उनियाल

वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि लोकपर्व हरेला प्रदेश के 2,389 स्थानों पर मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में हरेला पर्व पर लगाए गए पौधों का सर्वाइवल रेट 80 प्रतिशत से अधिक रहा है। उन्होंने जल स्तर में हो रही गिरावट को गंभीर चिंता का विषय बताया और कहा कि इसके लिए हमें पौधारोपण एवं जलधाराओं के संरक्षण हेतु निरंतर प्रयास करने होंगे।

कहा कि राज्य सरकार भी इन्हीं मूल्यों को आत्मसात करते हुए कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष देशभर में 108 करोड़ पौधे लगाए जाने का लक्ष्य रखा गया है। **जल स्रोतों के संरक्षण की पहल:** सारा का गठन- मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पर्यावरण संरक्षण के लिए 'स्प्रिंग एंड रिवर रिजुविनेशन अथॉरिटी का गठन किया गया है। इसके माध्यम से अब तक 6,500 से अधिक जल स्रोतों का संरक्षण और

एक वृक्ष लगाना दस बच्चों के समान: जोशी



■ कृषि मंत्री ने हरेला पर अपनी धर्मपत्नी के साथ शासकीय आवास पर किया वृक्षारोपण

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स देहरादून। प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने बुधवार को लोकपर्व हरेला के पावन अवसर पर अपने शासकीय आवास पर अपनी धर्मपत्नी निर्मला जोशी के साथ फलदार वृक्ष का रोपण किया। इस अवसर पर मंत्री ने प्रदेशवासियों को हरेला पर्व की

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि हरेला का अर्थ हरियाली से जुड़ा है और यह पर्व हरियाली, समृद्धि एवं नई ऋतु की शुरुआत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि परंपरागत मान्यताओं के अनुसार हरेला जितना बड़ा होगा, किसान की फसल उतनी ही अधिक फलदायी होगी। उन्होंने कहा कि हरेला उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक विरासत और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ा पर्व है, जो हमें हरियाली, पशुपालन और प्रकृति के साथ सामंजस्य का संदेश देता है। मंत्री ने कहा कि श्रावण मास में हरेला पूजन के उपरान्त वृक्षारोपण की परंपरा उत्तराखण्ड की विशेष पहचान रही है। कृषि मंत्री ने इस अवसर पर लोगों से आह्वान किया कि “एक वृक्ष लगाना दस बच्चों के समान है”, इस भावना के साथ सभी को पर्यावरण संरक्षण में भागीदारी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश भर में विभिन्न संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों और आम जनमानस की सहभागिता से फलदार पौधों का रोपण किया जा रहा है।

विकास के मुद्दे पर सभी 12 जिला पंचायत अध्यक्ष सीट पर खिलेगा कमल: भट्ट



शाह टाइम्स संवाददाता देहरादून। भाजपा के पंचायत चुनाव अभियान को गति देने प्रवास पर निकले प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने विकास के मुद्दे पर सभी 12 जिला पंचायत अध्यक्ष सीट पर कमल खिलाने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि, हमारे सभी पदाधिकारी, विधायक गांव गांव पार्टी समर्थित प्रत्याशियों और कार्यकर्ताओं को जिताने में जुटे हैं और विपक्ष अभी भी चुनाव टालने के लिए राजनीतिक टोटके करने में लगा है।

अपने चार दिवसीय प्रवास के

■ भाजपा के पंचायत अभियान को गति देने के लिए चार दिवसीय प्रवास पर हैं प्रदेश अध्यक्ष

पहले दिन देहरादून ग्रामीण के सहसपुर क्षेत्र पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष का कार्यकर्ताओं ने सुधोवाला, सेलाकुई, सहसपुर, हर्बटपुर विकास नगर में स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने विकासनगर में सहसपुर और विकासनगर पंचायत चुनाव से संबंधित कार्यकर्ताओं, जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, सह

प्रभारी, विधानसभा प्रवासी कार्यकर्ताओं और संयोजकों की समीक्षा बैठक की। वहां मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा की एक ही चुनाव पद्धति है, कार्यकर्ताओं के उत्साह और एकजुटता से अपनी उपलब्धियों का आधार जनता का विश्वास जीतना। हमारे महामंत्री संगठन एवं सभी महामंत्री, पदाधिकारी विधायकों के साथ गांव-गांव जनता के बीच पहुंच रहे हैं। जहां हम अपनी केंद्र एवं राज्य सरकारों के उपलब्धियों का आधार पर जनता से विकास की गाड़ी में तीसरा इंजन लगाने का अनुरोध कर रहे हैं। बैठक में सहसपुर विधायक सहदेव पुंडीर, देहरादून ग्रामीण अध्यक्ष मोता सिंह, जिला प्रभारी महिला मोर्चा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नेहा जोशी, कुलदीप कुमार, नीरू देवी आदि मौजूद रहे। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष के साथ प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान भी मौजूद रहे।



भाजपा ने हरेला पर प्रदेश भर में किया वृक्षारोपण

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स देहरादून। प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट के नेतृत्व में भाजपा परिवार ने बुधवार को प्रदेशभर में लोकपर्व हरेला के शुभ अवसर पर वृक्षारोपण किया। पौधे नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से धुक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत प्रदेश अध्यक्ष ने विकास नगर में कार्यकर्ताओं के साथ पौधारोपण किया।

इस दौरान अपने संदेश में उन्होंने कहा, हरेला केवल एक पर्व नहीं, बल्कि उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक चेतना, हमारी पारंपरिक

आस्था और प्रकृति के प्रति हमारे कर्तव्य का प्रतीक है। यह पर्व हमें न केवल वृक्षारोपण का संदेश देता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और मातृभूमि के प्रति हमारी जिम्मेदारियों की भी याद दिलाता है। देवभूमि का यह पावन पर्व देवतुल्य और पर्यावरण से आच्छादित स्वरूप का बोध कराता है। पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा हर वर्ष लाखों की संख्या में वृक्ष लगाए जाते हैं। इस वर्ष भी मंडल स्तर पर इस अभियान को चलाया जा रहा है, ताकि देवभूमि से जाने वाला हरियाली का यह संदेश और अधिक प्रभावी हो।

हरेला पर कांग्रेस अध्यक्ष माहरा ने बच्चों संग किया वृक्षारोपण

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने देहरादून के रसकोस क्षेत्र में स्थित माउंट स्कूल के छात्र-छात्राओं के साथ हरेला पर्व के पावन अवसर पर वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों को मिष्ठान वितरित किए तथा हरेला पर्व के महत्व और वृक्षारोपण से होने वाले लाभों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

माहरा ने छात्रों को पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया और आह्वान किया कि वे भविष्य में निरंतर वृक्षारोपण करेंगे तथा अपने जन्मदिन



एवं अन्य विशेष अवसरों पर अपने मित्रों को पौधे उपहार स्वरूप भेंट करेंगे। इस अवसर पर रोज माउंट स्कूल की शिक्षिकाएं, महानगर कांग्रेस अध्यक्ष जसवंत सिंह गोंगी, अध्यक्ष के सलाहकार अमरजीत सिंह, कांग्रेस

के महामंत्री नवीन जोशी, एससी विभाग के अध्यक्ष मदनलाल, कांग्रेस प्रवक्ता गिरिराज किशोर, वार्ड नंबर 21 के पूर्व पार्षद अनूप कपूर व गुल मोहम्मद सहित अनेक समाजसेवी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बीकेटीसी अध्यक्ष ने उड़ाई डीजीसीए के निर्देशों की धम्जिया: कांग्रेस

देहरादून। (शाह टाइम्स संवाददाता।) चारधाम यात्रा के दौरान डीजीसीए की और से मानसून में हेलीकॉप्टर उड़ानों पर लगाए गए प्रतिबंध के बावजूद बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी की और से केदारनाथ धाम की हवाई यात्रा करने पर कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी ने कड़ा एतराज जताया है। गरिमा ने आरोप लगाया कि यह बीआईपी संस्कृति का घोर प्रदर्शन है और नियमों की खुली अवहेलना है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब आम श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए उड़ानों पर रोक है तो बीकेटीसी अध्यक्ष को यह विशेष छूट किस आधार पर दी गई? उन्होंने तीन मांगें रखीं, कहा कि हेमंत द्विवेदी पर तत्काल कार्रवाई हो। यूकाडा व डीजीसीए स्पष्ट करें कि अनुमति कैसे मिली।

कांग्रेस के धृतराष्ट्र हैं हरीश रावत : चौहान



मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स देहरादून। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने कहा कि हिंदू सनातन मतावलंबियों का अपने महाग्रंथ भागवत गीता और रामायण से अगाध श्रद्धा है और ये हमारी दिनचर्या तथा जीवनचर्या का महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत जिस तरह से भागवत गीता में श्रीकृष्ण के उपदेशों को दुर्योधन से घालमेल की कोशिश कर रहे हैं वह एक तरह से धर्म शास्त्र का उपहास भी है। चौहान ने कहा कि कर्म योग को

नये सिरे से परिभाषित कर रहे हरेला को यह खुद ही तय करना चाहिए कि वह कांग्रेस के बुजुर्ग नेता हैं और उन पर कौन सा किरदार फिट बैठता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में बड़े से छोटे नेताओं की लम्बी फेहरिस्त है जो उन्हें धृतराष्ट्र के रूप में देखते हैं। उन्होंने कहा कि देश और राज्य के बजाय वह परिवार के मोह में शुरू से ही फंसे रहे हैं और अपनी सुविधा के अनुसार न्याय के तराजू को पकड़ने का नाटक करते हैं। चौहान ने कहा कि उन्हें देश की संसद के लिए भी उम्मीदवार परिवार से चाहिए तो राज्य की विधान सभा के लिए परिवार का कोई सदस्य हो और जब सीएम की बात हों तो वह स्वभाविक दावेदार रहते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में चल रही महाभारत में वह खुद ही धृतराष्ट्र और खुद ही दुर्योधन की भूमिका में हैं।

मदरसा फैजुल उलूम में हरेला पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया

देहरादून। मदरसा फैजुल उलूम कावली में बुधवार को हरेला पर्व धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों, शिक्षकों और स्टाफ ने मिलकर विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे और पर्यावरण संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरुआत विशेष दुआ के साथ हुई, जिसमें सभी ने उत्तराखण्ड की परंपरा और प्रकृति को संरक्षित रखने की प्रार्थना की। इसके बाद शिक्षकों और विद्यार्थियों ने मदरसे परिसर में आम, नीम, गुलमोहर, तुलसी और पीपल जैसे पौधे लगाए। बच्चों को पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी भी सौंपी गई। इस अवसर पर मदरसे के प्रबंधक मौलाना हुसैन अहमद ने कहा कि खरेला पर्व सिर्फ एक परंपरा नहीं, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरित भविष्य की ओर कदम है।

हरेला हमारी सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा: महाराज

■ नौलों-धारों के संरक्षण लिए जलागम ने बनाया भगीरथ एप
■ जलागम मंत्री ने हरेला पर किया वृक्षारोपण, जलागम दर्पण पत्रिका का भी किया लोकार्पण

शाह टाइम्स संवाददाता देहरादून। हमारी सरकार उत्तराखण्ड के प्राकृतिक संसाधनों और यहां की हरियाली के संरक्षण के लिए अत्यंत गंभीर है। इसके लिए हर स्तर प्रयास किए जा रहे हैं। जलागम विभाग भी केन्द्र पोषित प्रस्थानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जलागम घटक 2.0 तथा विश्व बैंक वित्त पोषित उत्तराखण्ड जलवायु अनुकूल बारानी कृषि परियोजना के माध्यम से हरियाली और पानी को संरक्षित करने के लिए लगातार प्रयासरत है। यह बात प्रदेश के जलागम,



पर्यटन, धर्मस्व, संस्कृति, पंचायतीराज, लोक निर्माण, सिंचाई एवं ग्रामीण निर्माण, मंत्री सतपाल महाराज ने बुधवार को इंदिरानगर स्थित जलागम निदेशालय परिसर में लोक पर्व हरेला पर वृक्षारोपण करने के बाद आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होंने प्रदेशवा. सियों को हरेला पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हरेला पर्व उत्तराखण्ड की संस्कृति का एक महत्वपूर्ण लोकपर्व है। यह पर्व

प्रकृति और हरियाली के प्रति हमें अपनी जिम्मेदारी का एहसास करवाता है। हर वर्ष श्रावण मास में मनाया जाने वाला यह लोकपर्व नई फसलों की शुरुआत का प्रतीक है। यह सामाजिक सद्भाव के साथ-साथ हमारी सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जलागम एवं संस्कृति मंत्री महाराज ने कहा कि प्रदेश सरकार उत्तराखण्ड के प्राकृतिक संसाधनों और यहां की हरियाली के संरक्षण के

किये जा रहे हैं। जलागम मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में जलागम विभाग के अंतर्गत रश्मि एण्ड रिवर रिजुविनेशन एथॉरिटी (सार) का गठन भी किया गया है। इसके अंतर्गत नौलों और धारों के संरक्षण में सभी प्रदेशवा. सियों को भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए रश्मि एण्ड एप बनाया गया है। इसके माध्यम से वह अब तक पाँच हजार से अधिक जलस्रोत चिह्नित किए जा चुके हैं। महाराज ने कार्यक्रम के दौरान जलागम द्वारा प्रयास में किए गये कार्यों पर आधारित पत्रिका जलागम दर्पण का भी लोकार्पण किया। इस अवसर पर विधायक सविता कपूर, जलागम सचिव दिलीप जावलकर, परियोजना निदेशक डॉक्टर हिमांशु खुराना, डॉक्टर एस के डिमरी, डॉक्टर एस के सिंह, नवीन सिंह बरफाल, डॉ मोनाक्षी जोशी व दीपचंद सहित जलागम के अनेक कर्मचारी एवं अधिकारियों उपस्थित थे।

घर से बुजुर्गों ने छोटी को हरेला चढ़ाकर दिया आशीर्वाद, पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

पर्व पर विभिन्न स्थानों पर पौधचोंपण का कार्यक्रम आयोजित किए गए।
बैज्ञानिकों में वन विभाग द्वारा हेरला पक्षी और नदी उत्सव मनाया गया। मुख्य अतिथि शिव सिंह ने इसे हरियाणा और पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक बताया। डीएम आशीष भट्टाई ने शज्मन्दिन वाटिका की शुरुआत करते हुए लोगों से अपने जन्मदिन पर पौधे लगाने की अपील की। गोमती नदी के तटों में वृक्ष लकी

कार्यों की घोषणा की गई। इस अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत कलेक्ट्रेट और नीलेखर मॉडर में भी पौधरोपण हुआ। एक ही दिन में 50,000 पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया गया। भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी अलग-अलग कार्यक्रमों में पौधे रोपे और संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रमों में अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, छात्रों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भागीदारी रही।

ते न मनाया हरला पर्व
 मोझा न नन्दा देवी मौर्य वंश वृद्ध हरला
 लालाए हरले को लेकर नन्दा देवी मौर्य
 का स्वागत किया गया। इस अवसर
 का कार्यक्रम को
 संयोजित करते
 हुए समिति को
 अध्यक्ष लता
 तिवारी ने कहा
 कि इस हरला
 कार्यक्रम को
 करने का मुख्य
 उद्देश्य
 पर्वोत्सव संस्कृति
 का
 प्राधुनिकता के इस दौर में आब बरकरार
 रखना है। इस कार्यक्रम में विद्यार्थी मंचोपर
 नर्तन जोशी, योगिनि, राधा तिवारी, राधा तिवारी
 तात विद्यार, राधा तिवारी, हेमा तिवारी
 माधवी विद्यार, रेखा रैतला, रुष्मा पांडे
 समेत कई महिलाएँ मौजूद रही।

काशीपुर में ही पॉलीटेक्निक का सिविल टेड में अंतिम वर्ष का छात्र है आरोपी युवक

उसके पिता किसी फीव्टरी में इंजीनियरी हैं। हथं काशीपुर के खरमासा निवासी गुरीन्दर सिंह बाजवा ऊर्फ गुरी के निवेश पर काम कर रहा है। गुरीन्दर ही उसे अससला कहाँ से उठाकर उसके देना है, यह बताया था। वह करीब एक साल से गुरी के संस्पर्क में था। उसे फिफ्टल इटालीयन की एवज में रुपये मिलते थे। उसने काशीपुर और आसपास के क्षेत्र को अलावा रामपुर और मुसदाबाद में ही एक दर्जन से अधिक अससला है। इटालियन करने की बात ब्यक्तीकरी है। गुरी उडे साल पहली ही न्यूजोडेन गन्या था। एसीटीए की अंशरहा है कि गुरी अससला तस्करी का नेटवर्क चला रहा है।

शाह टाइम्स संवाददाता
समोपस्थित। दोनो पक्षों के अग्रणी पार

के आदेशानुसार प्राचार्य प्रोफेसर डा. सीमा श्रीवास्तव के निर्देशन में रोवरेन्स, राष्ट्रीय सेवा योजना और ईकॉक्लब द्वारा संयुक्त रूप से हरेला पर्व के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। प्राचार्य प्रोफेसर डा. सीमा श्रीवास्तव ने वृक्षारोपण के अवसर पर कहा कि वृक्षारोपण एक ऐसी प्रक्रिया है जो हमारे जीवन को बेहतर बनाती है। यह हमें वातावरण को स्वस्थ रखने में मदद करता है। हमें इसे हमारे जीवन का एक अविभाज्य हिस्सा बनाना चाहिए।

में टिकोमा, कड़ी पत्ता, बेलपत्र, तेजपत्ता, हरसिंगार, दालचीनी, अमलतास, तुलसी, बेल, नीम, कनेर, गुलाब आदि छायादार फलदार, औषधीय वृक्षों और पुष्प का रोपण किया। महाविद्यालय के पानाचर्य ने उन्नतशब्द के लोककवि

 दूसरी और नगर निगम में स्थित सैनी ने संस्था की ओर से नीम के वृ

संरक्षक एवं
पूर्व दार्ज
रान्यमंत्री डा.
गणेश
उपाध्याय
मुख्य अतिथि
के रूप में

उपस्थित रहे। कार्यक्रम को दौरे पर लाया और सभी ने इन पौधों की निर्यात व्यवस्थापन में छात्रों को संबोधित करते हुए आवश्यकता है और हमें प्रकृति के साथ शक्ति भविष्य की दिशा में अग्र बढ़ना अधिक पेड़ लगाने और उनकी देखभाल विद्यालय की प्रधानाचार्या ब्रजेश गुप्ता द्वारा अनुरोध चंद, सुनीता सिंह, रवीन्द्र नाथ भी सक्रिय रूप से भाग लिया और धरा हरेला पर्व को प्रकृति संरक्षण और नदी पहल कार्य, जो बच्चों में पर्यावरण सचेत करने का कार्य करेगा।

की मूर्तस्था व्यवस्था जांची। एक एबुलसिं पर शिकायत मिलने पर जिला प्रभारी का स्पष्टीकरण मांगा है। भविष्य में इस तरह की शिकायतें मिलने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। दो अन्य वादों में सौज किए हैं। बुधवार की सुबह से ही विमान ने विभिन्न नगरों पर चनेने वाली एबुलसिं की जांच की। इनके दो फिटनेस जांची। इस दौरान अधिकतर एबुलसिं सही हालत में पाए गए। एक में शिकायत मिली है। इस मामले में 108 के जल प्रभारी का स्पष्टीकरण लिया है। उचित रखरखाव के निर्देश दिए। अधिकारी ने बताया कि जिले में संचालित एबुलसिं परिवहन कार्यलय देहरादून में पंजीकृत है।

[illegible]

समर्थन से 26 जुलाई तक पंजीकरण करी जाय
 अस्पृश्यता। सोमन तिरुवा जिला विश्वविद्यालय अस्पृश्यता समेत अन्य विषय, विद्यालयों में स्नातकोत्तर में प्रवेश के लिए पंजीकरण शुरू हो जाए। छात्रों का पंजीकरण समर्थन पोलिटो के माध्यम से 26 जुलाई तक आसानी कर दिया जाये। एसएससी विषय, कुमक विश्वविद्यालय और श्रीरम स्वामी विश्वविद्यालय में इन बातों की स्नातकोत्तर में प्रवेश के लिए पंजीकरण समर्थन पोलिटो पर हो किया जाये। पंजीकरण के लिए शासन की ओर से पोलिटो कादेश दिया गया है। पोलिटो खुलने से पंजीकरण शुरू हो जाए। पंजीकरण के बाद प्रवेश प्रक्रिया शुरू होगी। सविनियम कॉलोनी में मीटिंग के बाद प्रवेश प्रक्रिया आगे बढ़ाया जाएगा। एसएससी विषय में समर्थन पोलिटो के नोडल अधिकारी डा. मनोज कुमार विश्वि 2 यलागा विप पंजीकरण शुरू हो जाए। पंजीकरण के लिए अतिरिक्त विषय 26 जुलाई रखी गई है। छात्र छात्रों अन्तर्गत अन्तिम तिथि से पहले पंजीकरण करनी चाहिए। ताकि वह प्रवेश से बर्बाद ना रह सकें। वहाँ, एसएससी समर्थन में स्नातक प्रवेश समेतर के पंजीकरण की जाये है।

राश्वारुकां पश्चरुकां चतुर्णां गम्पतरां
अस्याहो! श्रित्तिपुत्रो मया चतुर्णां लोकेषु पुरिषाणां समुज्जीवरो हि।
महादेव पदार्थो कीं तस्मैरुक्तिं वार्तां कीं धरुषकम् कीं पुलिते न
भिद्यतु नैव तदु कथिदा। एव धौलित्वा पुलिते न राश्वारु कीं पुलिते न
करहं कथे आदौपी कीं धरु धनवान्। धौलित्वा धनवान् श्रित्तिपुत्रो मया
कीं आनुवाहं पुरिते दौनं पं बाहुल्लोकां पुरिते मं चैकान् अभियान्
चलान्। इतु दौन पुरितेन निश्वरं कथे एव धनवान् राश्वारु कथे पुरो।
कर कथे चैकान्। चैक कथे चतुर्णां। चैक कथे आदौपी पुकरं सिंहं श्रित्तिपुत्रो
निवासी पुरिते कथे च १६ बालौ शरीं शी राश्वारु मरुतहं। जिस्करा
धरु आदौपी कीं गम्पतरां कथे वहु धाना धौलित्वा न् अभियानौ शरीं
पुलिते न तदत अभियानौ पंजीवतु चतुर्णां। एवमुपेयौ दौनं धौनं नै
नयान् किं पंथय चतुर्णां कीं श्रित्तिपुत्रो तदुके स दैवतं चतुर्णां नै
पुलिते कीं संधिपथी पुर नजर। अतस्करता चतुर्णां वार्तां आदौपी मरुतहं
पदार्थो कीं तस्मैरु कथे वार्तां कीं श्रित्तिपुत्रो मया चतुर्णां कीं जागरी।

हरला पर्व पर 'एक पड़ मा के
नाम' अभियान के तहत पौधारोपण



त्योहार मनाओ, धरती माँ का ऋण चुकाओ अभियान को अंतर्गत आयोजित किया गया। दीपांगुशुर्मा ने इस मौके पर नागरिकों से अपील की कि वे होरला पर्व पर अधिक से अधिक पौधे लगाएं और उनके संरक्षण का भी संकल्प लें। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण न केवल पर्यावरण की रक्षा करता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरित भविष्य का मार्ग भी प्रशस्त करता है।

हाविद्यालय में वृक्षारोपण

हेरला को विद्यार्थियों, प्राध्यापकों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए, सभी लोग से अपने-अपने घरों, खाली जगहों पर अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने को लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर रोवर रैजेंट प्रभासी डा. हेम चन्द पाण्डे राष्ठीय सेवा योजना प्रभारी डा. गीता भट्टाचार्य, हेरला चन्द्र जोशी, राकेश कुमार जयपाल, दीक्षा कोटिया, राहुल, मोहन सिंह काका आदि प्राध्यापकवर्ग के कर्मचारी, रोवर रैजेंट, राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवी, को कलब व मध्यम उपस्थित रहे।

लावारिस गोवंश से राहगीरों को भारी परेशानी काशीपुर। शहर की सड़कों से लेकर बाजारों तक धूमने वाले लावारिस गौवंश केवल हादसों के लिए ही जिम्मेदार नहीं हैं। इनसे कारोबार भी प्रभावित हो रहा है।

कारोबारों चाहते हैं कि बाजार क्षेत्र को लावारिस मवेशियों से जल्द मुक्ति मिले। हालांति जाए। इसके लिए सरकार और नगर निगम अपने-अपने पथ पर ठोस ठोस प्रयास करें। उनका कहना है कि लावारिस गौवंश के लिए पर्यटन गौशाला बनाना बर्बाद जाए ताकि आमजन भी परेशान न हों और व्यापार भी सुगमता से चल सके। बाजारों के गलियों में इनके झुंड में चलने पर लोग वाहते हैं खरीदारी करने में रुकते हैं। बाजार में रोजाना लावारिस जानवरों के झुंड नजर आते हैं। इनके कारणों में आने से कई बार भगदड़ की स्थिति पैदा हो जाती है। सबसे ज्यादा दिक्कत

[illegible]

पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

शाह टाइम्स संवाददाता
शांतिपुरी। राजकीय कन्या हाईस्कूल शांतिपुरी में हरेला पर्व को पर्यावरणीय चेतना के संदेश के साथ उल्लासपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय



हर तरफ रही हरेला पर्व की धूम, खूब लगाए गए पौधे

मैथोडिस्ट गर्ल्स पीजी कॉलेज में हरेला पर्व पर लगाए पौधे

शाह टाइम्स संवाददाता रुड़की। मैथोडिस्ट गर्ल्स पीजी कॉलेज रुड़की की राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा कार्यक्रम अधि कारी डॉ. पायल अग्रवाल के

कर-कमलों से विभिन्न प्रकार के फलदार वृक्षों का रोपण किया। और छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हरेला पर्व केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि प्रकृति

❖हरेला पर्व परंपरा नहीं, प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी: डॉ. अमिता

नेतृत्व में हरेला पर्व बड़े उत्साह और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रबंधिका मिस जे.सिंह और प्राचार्या डॉ. अमिता श्रीवास्तव विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने

के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना और वृक्षारोपण के महत्व को समझाना था। महाविद्यालय की सभी शिक्षिकाओं ने भी इस अभियान



में बहु-चट्टकर भाग लिया और हरियाली को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। महाविद्यालय परिवार ने सभी छात्रों, अभिभावकों और समुदाय से अनुरोध किया कि वे पर्यावरण की रक्षा हेतु अधिक से अधिक वृक्ष लगाएं और हरेला पर्व की भावना को सजीव बनाएं रखें।

भाजपा कार्यालय में किया गया पौधरोपण

शाह टाइम्स संवाददाता रुड़की। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागृति एवं हरित क्रांति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी द्वारा हरेला पर्व के अवसर पर एक विशेष पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्राम बिस्नोली स्थित भाजपा कार्यालय पर जिला अध्यक्ष डॉ. मधु सिंह के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. मधु सिंह ने स्वयं पौधारोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं पदाधि कारियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनकी देखरेख का आह्वान किया। डॉ. सिंह ने कहा कि हरेला पर्व उत्तराखंड

की सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है, जो हमें प्रकृति से प्रेम और उसके संरक्षण का संदेश देता है। आज के समय में बढ़ते प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्याओं से निपटने के लिए हमें अधिकाधिक वृक्षारोपण कर धरती को हरा-भरा बनाना होगा। कार्यक्रम के जिला संयोजक देवी सिंह राणा ने कहा कि हरेला केवल पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति से जुड़ाव और आने वाली पीढ़ियों के लिए हरियाली का संकल्प है। उन्होंने लोगों से अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसे पेड़ बनने तक उसकी देखभाल करें।

जिला महामंत्री प्रवीण संधू ने कहा कि भाजपा संगठन सदैव सामाजिक और पर्यावरणीय दायित्वों के प्रति सजग रहा है। इसी कड़ी में हर वर्ष हरेला पर्व पर जिलेभर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जाता है। मंडल अध्यक्ष सुमित अग्रवाल ने कहा कि वृक्षारोपण के माध्यम से हम न केवल प्राकृतिक सौंदर्य बढ़ाते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा और बेहतर वातावरण भी प्रदान करते हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे आगे आकर इस अभियान को जन आंदोलन का रूप दें। कार्यक्रम में सोनू धीमान, प्रदीप पाल, सतीश सैनी,

सौरभ गुप्ता, पंकज नंदा, विवेक चौधरी, ममता राणासागर गोयल, प्रतिभा चौहान, बीएल अग्रवाल, संजीव तोमर, अनीश त्यागी, कविश मिश्रा, आदर्श गुप्ता, रीना अग्रवाल, संजय त्यागी, संजय पाल, कदम सिंह, ललित पाल सहित भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर पौधारोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। अंत में सभी ने मिलकर पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प लिया और अधिक से अधिक लोगों को वृक्षारोपण से जोड़ने का प्रण लिया।

हरेला धरती मां को हमेशा हरा भरा रखने का देता है संदेश : डा. राजेन्द्र

शाह टाइम्स संवाददाता रुड़की। रोटरी क्लब रुड़की द्वारा ढंडेरा रेलवे स्टेशन से श्रीमती नीमा देवी काला पब्लिक स्कूल तक आज हरेला पर्व के उपलक्ष में इस संकल्प के साथ वृक्षारोपण किया गया कि जिस वृक्ष को लगायेंगे उसकी बच्चे की तरह पूरी देखरेख करेंगे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रुड़की प्रसिद्ध वरिष्ठ चिकित्सक डॉ राजेन्द्र पाल ने कहा कि यह धरती मां हमारी जन्म दाता मां से भी महान है इसलिए हमें अपने स्वयं को स्वस्थ रखने के लिए वृक्षारोपण जरूरी है जिससे हमें अपने को स्वस्थ रखने के



लिए आक्सीजन मिलती रहे। प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ सुधीर चौधरी ने कहा एक वृक्ष सौ पुत्र समान वृक्ष लगाना है। कार्य महान इसलिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाना चाहिए। कार्यक्रम संयोजक राते हर्ष प्रकाश काला एवं श्रीमती कुसुम काला ने सभी का धन्यवाद किया।

हरेला पर्व पर लगाए फलदार वृक्ष

शाह टाइम्स संवाददाता झबरेड़ा। पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज लाउर देवा हूण मे हरेला पर्व उत्साह पूर्वक मनाया गया हरेला पर्व के दौरान फलदार वृक्ष जिसमें सहजन, बेल, अमूर, संतरा, माल्टा एवं आवला आदि प्रमुख रहे।

जानकारी के अनुसार इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य चंद्रपाल सिंह ने पर्व पर सभी को बधाई दी। हरेला पर्व पर पीएम प्रभारी विपुल सालार, सुशील कुमार, आदित्य, जितेंद्र पवार, राकेश शर्मा, प्रणव सालार एवं आलोक द्विवेदी ने उपस्थित होकर अपना सहयोग दिया।

ब्राह्मणवाला गांव में दो पक्षों में चलीं गोलियां

शाह टाइम्स संवाददाता खानपुर। ब्राह्मणवाला गांव में सोमवार रात में दो पक्षों में रंजिश के कारण जमकर फायरिंग हुई। गांव में दहशत का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने इसकी जानकारी खानपुर पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जानकारी जुटाई। पुलिस तहरीर का इंतजार कर रही है। खानपुर थाना क्षेत्र के ब्राह्मणवाला गांव निवासी दो परिवारों में पिछले कुछ दिनों से रंजिश चली आ रही है। बताया जा रहा है कि सोमवार देर शाम दोनों पक्षों में फिर से कहासुनी हो गई और दोनों पक्षों ने फोन कर काफी लोगों को मौके पर बुला लिया। मौके पर दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर फायरिंग की। गनीमत रही कि किसी को गोली नहीं लगी। दर्जनों राउंड गोलियां चलने की आवाज से गांव में भय का माहौल बन गया। किसी ग्रामीण ने इसकी जानकारी खानपुर पुलिस को दी। खानपुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लोगों से जानकारी ली। पुलिस को आने की जानकारी के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। खानपुर थाना कार्य प्रभारी उपेन्द्र सिंह ने बताया कि गोली चलने की सूचना आई थी। मामले में तहरीर मिलने पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

सावन में शिवभक्तों की सेवा करने से मिलता पुण्य व सकून : सुबोध

शाह टाइम्स संवाददाता भगवानपुर। आरएनआई इंटर कॉलेज भगवानपुर पर कावड़ सेवा शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि भाजपा नेता सुबोध राकेश ने कावड़ शिविर का उद्घाटन कर शिवभक्तों को खाना खिलाया और फल वितरित किए। कावड़ सेवा शिविर का सराहा और इसमें हम सबको अपनी भागीदारी करनी चाहिए। जानकारी के अनुसार आरएनआई इंटर कॉलेज भगवानपुर पर कावड़ सेवा शिविर का आयोजन किया गया। सुबोध राकेश ने कहा कि शिव भक्तों



की सेवा आवश्यक करनी चाहिए। शिव भक्तों की सेवा करने से पुण्य के साथ मां को भी सुकून मिलता है। इस शुभ अवसर पर संजय अग्रवाल, सुधीर अग्रवाल, रविंद्र कुमार, सनी प्रजापति, सरवन लाल, रवि कुमार, इत्यादि लोग मौजूद रहे।

इयूटी के साथ मानवीय जिम्मेदारी भी निभा रही मित्र पुलिस

शाह टाइम्स संवाददाता पिरान कलियार कांवड़ यात्रा के दौरान मित्र पुलिस कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ मानवीय पहलुओं को भी बराबर महत्व दे रही है। ऐसे ही एक सराहनीय कार्य में धनौरी चौकी प्रभारी पुष्कर सिंह चौहान ने संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय दिया। कावड़ पट्टी पर पानी भरने की सूचना पर खुद पहुंचे और जल निकासी कराई ताकि शिव भक्तों को कोई परेशानी ना हो। हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण तीरछे पुल मुख्य पथ पर जलभराव हो गया था, जिससे कांवड़ियों को मार्ग पार करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। जैसे ही इस स्थिति की सूचना पुलिस को मिली, चौकी प्रभारी पुष्कर सिंह चौहान बिना विलंब मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

जलभराव की समस्या को देखते हुए उन्होंने तुरंत नाली की सफाई और जल निकासी की व्यवस्था कराई, जिससे रास्ता साफ हो गया और कांवड़ियों को राहत मिली। उनकी तत्परता और सेवा भावना की स्थानीय लोगों व यात्रियों ने खुले दिल से सराहना की।

पुलिस की सूझबूझ से टला कांवड़ यात्रियों का बवाल

रुड़की। कोतवाली पुलिस की सूझबूझ से कांवड़ यात्रियों का बवाल टल गया। बवाल के टल जाने पर पुलिस व आम नागरिकों ने राहत की सांस ली। मंगलवार सुबह किसी ने 112 पर सूचना दी कि कांवड़ पट्टी पर सैदपुरा गांव के पास एक यात्री की कांवड़ से किसी ने डंडे निकाल लिए। इसके चलते कांवड़ यात्री के अन्य साथी एकत्र होने शुरू होने लगे हैं। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने उत्तेजित हो रहे कांवड़ यात्रियों को समझाया और नए डंडे बताने से मनाकर कांवड़ यात्री को देकर गंतव्य की ओर रवाना किया। कांवड़ियों के जाने पर पुलिस व आम नागरिकों ने राहत की सांस ली। कोतवाल शांति कुमार गंगवार ने बताया कि कांवड़ से डंडे निकाल लिए जाने से यात्री उत्तेजित हो गए थे। उन्हें समझा-बुझाकर उनके गंतव्य को रवाना कर दिए जाने पर मामला शांत हुआ।

वहीं दूसरी ओर स्कॉर्पियो कार में तोड़फोड़ करने वाले तीन कांवड़ यात्रियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों का चालान कर दिया गया है। सुबह सवेरे पुलिस को सूचना मिली थी कि दिल्ली-हरिद्वार हाईवे पर सैदपुरा गांव के पास कुछ कांवड़ यात्रियों ने एक स्कॉर्पियो कार में तोड़फोड़ कर दी। पुलिस ने अज्ञात कांवड़ यात्रियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी थी। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला तो स्कॉर्पियो कार में तोड़फोड़ करने वाले तीन कांवड़ यात्री प्रकाश में आए।

आईआईटी में एक पेड़ मां के नाम अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता रुड़की। आईआईटी परिसर को हरा भरा रखने का कर्मचारियों ने संकल्प लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम से अभियान की शुरुआत की गई। परिसर में नीम के पेड़ लगाए गए। कर्मचारियों ने पेड़ों के रखरखाव की शपथ ली।

बुधवार दोपहर दो बजे आईआईटी कर्मचारियों ने प्रधानमंत्री के आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत की है। अभियान में आईआईटी कर्मचारी यूनियन अध्यक्ष नवीन कुमार और महासचिव सचिन कुमार के नेतृत्व में परिसर में अलग-अलग जगह



पर नीम के छायादार पेड़ लगाए गए। इस मौके पर आईआईटी कर्मचारियों और छात्रों को भी पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त रखने के लिए प्रेरित किया गया। अध्यक्ष नवीन कुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के प्रति समर्पण की भावना को सभी को अपने अंदर जागृत

रखना है। उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत आईआईटी में पर्यावरण जागरूकता और हरित पहल को बढ़ावा देने की दिशा में काम किया है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन हमारे लिए प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझने और उसे निभाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। इस मौके पर राजीव वर्मा, हर्षनेन, रेखा मंडोलिया, सुशील कुमार, चमोली, विकास त्यागी, शानू चोपड़ा, सुशील कुमार, अविनाश चौधरी, रमेश, वृजेश दीक्षित, अंकुर शर्मा, अनुराग, संजीव, नितिन प्रधान, रूपक गुर्ग, विशाल कश्यप और सुजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

लक्सर पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता लक्सर। लक्सर पुलिस के द्वारा नाबालिक से दुष्कर्म करने वाले फरार आरोपी को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया गया है। राजीव रीथाण कोतवाली प्रभारी लक्सर ने जानकारी देते हुए बताया 27 मई 2025 को श्रीमती आरती पत्नी अजब सिंह निवासी ग्राम खेड़ौ कला कोतवाली लक्सर द्वारा थाने पर तहरीर देकर बताया के उसके गांव के जगवीर उर्फ गुड्डू पुत्र रोहला द्वारा उसके नाबालिक पुत्र के साथ दुष्कर्म किया गया जिस

पर तुरंत ही अभियोग पंजीकृत किया गया घटना की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी हरिद्वार द्वारा जनपद हरिद्वार पुलिस को वांछित अभियुक्त के विरुद्ध न्यायालय द्वारा जारी वारंट की धर पकड़ गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई करने के लिए पुलिस को निर्देशित किया था। जिसमें अलग-अलग पुलिस टीम गठित की गई। गठित पुलिस टीम के द्वारा दुष्कर्म आरोपी जगवीर उर्फ गुड्डू के संभावित ठिकानों पर बाहरी राज्यों पर जाने वाले ठिकानों पर नजर रखना शुरू कर दिया

अभियुक्त अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था मुखबिर की सूचना पर पता करते हुए अभियुक्त को हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले से गिरफ्तार किया गया जिसका नाम जगवीर उर्फ गुड्डू पुत्र रोहला निवासी खेड़ौ कला उसको पकड़ने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक दीपक चौधरी उप निरीक्षक ड्रिपल जोशी हेड कांस्टेबल विनोद कुमार रियाज अली शामिल रहे। पकड़े गए व्यक्ति को संबंधित मुकदमे में दाखिल कर संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

ढंडेरा फाटक पर अब आवाम को जाम से मिलेगी निजात

विधायक की पहल पर रेलवे ओवरब्रिज निर्माण को मिली हरी झंडी

शाह टाइम्स संवाददाता रुड़की। रुड़की स ढंडेरा फाटक पर वर्षों से लगने वाले भीषण जाम से क्षेत्रवासियों को जल्द राहत मिलने जा रही है। नगर विधायक प्रदीप बत्रा के प्रयासों से इस समस्या का स्थायी समाधान निकलता नजर आ रहा है। जिस बावत विधायक बत्रा ने रुड़की स्थित बीईजी के कमांडेंट से विशेष बैठक कर रेलवे ओवरब्रिज निर्माण के विषय पर गंभीर चर्चा की। बैठक के दौरान ढंडेरा

फाटक पर प्रस्तावित ओवरब्रिज के लिए आवश्यक डिफेंस लैंड (रक्षा भूमि) को पीडब्ल्यूडी (लोक निर्माण विभाग) को हस्तांतरित करने पर सहमति जताई गई। यह सहमति इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे ओवरब्रिज निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया है। अवगत कराएं कि ढंडेरा फाटक पर रेलवे क्रासिंग के कारण प्रतिदिन हजारों लोगों को जाम की समस्या से दो-चार होना पड़ता है। स्कूली बच्चे,

कार्यालय जाने वाले कर्मचारी, व्यापारी एवं आपातकालीन सेवाएं सभी इस जाम के कारण प्रभावित होते रहे हैं। विधायक प्रदीप बत्रा ने बताया कि वे लंबे समय से इस मुद्दे को लेकर प्रयासत थे और अब रक्षा मंत्रालय से मंजूरी की दिशा में सकारात्मक संकेत मिलने के बाद जल्द ही ओवरब्रिज का निर्माण कार्य प्रारंभ करया जाएगा। उन्होंने बीईजी कमांडेंट के सहयोग और सकारात्मक रुख के लिए आभार जताया।

समर्पण संगठन ने किया निशुल्क चिकित्सा व भंडारा शिविर का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता रुड़की। समर्पण जन कल्याण संगठन द्वारा आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर और भंडारा में हमें नगर विधायक प्रदीप बत्रा की उपस्थिति प्राप्त हुई।

विधायक ने स्वयं उपस्थित होकर कांवड़ियों की सेवा की और प्रसाद वितरण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस अवसर पर समर्पण परिवार अपने सहयोगियों के लिए विभिन्न प्रकार के भोजन प्रसाद के रूप में शिव भक्तों को भोजन प्रसाद ग्रहण कर रहा है। इस अवसर



पर बी एस एम पीजी कॉलेज के प्रधानाचार्य मेजर गौतम वीर सिंह आदि सहित बड़ी तादाद में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

झबरेड़ा नगर पंचायत में अध्यक्ष व व सदस्यों ने लगाए पौधे हरेला पर्व हरियाली व खुशहाली का प्रतीक : किरण

शाह टाइम्स संवाददाता झबरेड़ा। नगर पंचायत झबरेड़ा अध्यक्ष किरण चौधरी ने कहा कि हरेला पर्व हरियाली व खुशहाली का प्रतीक है। साथ साथ वृक्षारोपण तथा पर्यावरण के प्रति भी जागरूक करने का काम करता है। सभी लोगों को । वर्ष में कम से कम एक बार एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को नगर पंचायत की ओर से 121 पेड़ नीम के बांटे गए।

जानकारी के अनुसार नगर पंचायत अध्यक्ष झबरेड़ा किरण



चौधरी हरेला पर्व पर कहा श्रावण मास में वर्षा ऋतु के अवसर पर सभी लोगों को एक पेड़ लगाकर उसे संरक्षित करना चाहिए। वर्षा ऋतु के चलते जहां भी पेड़ को लगा दिया जाता है वह हरा

भरा रहता है। उन्होंने बताया कि पेड़ पौधा लगाने मात्र से ही काम नहीं चल जाता पेड़ पौधों को बच्चों की तरह पालना होता है। हरेला पर्व हमारी संस्कृति का हिस्सा है। इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को नगर पंचायत की ओर से 121 पेड़ नीम के बांटे गए।

इस अवसर पर डॉक्टर गौरव चौधरी प्रदेश अध्यक्ष ओबीसी कांग्रेस रमेश सैनी चौधरी विरम सिंह महेंद्र शर्मा सभासद जसवीर सिंह सत्तर अहमद अनुज सैनी सलीम अहमद कन्हैया अतुल जैन राव बिलावर अतुल जैन राजेंद्र

सिंह ओमपाल सिंह, तरुण कुमार आदि उपस्थित अनेक लोग रहे। ग्राम खजुरी में स्थित मां दुर्गा वाला सुंदरी मंदिर परिसर में हरेला पर्व पर प्रयास फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा पीपल बेलपत्र अमरूद सागवान तथा सहजन के पेड़ लगाकर उन्हें संरक्षित करने की शपथ भी ली गई।

वहीं दूसरी ओर इस अवसर पर विकास त्यागी योगेश त्यागी आकाश हरेंद्र त्यागी गौरव मनोज शर्मा वृजमोहन प्रदीप त्यागी विक्रांत पुंडीर सुशील कुमार गोपाल भूपेंद्र सिंह आदि अनेक लोग उपस्थित रहे।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

गुरुवार , 17 जुलाई 2025

नाटो का टैरिफ राग

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने व्यापार करने की जो नई राह दिखाई, उस पर अब नाटो भी चलता दिखाई दे रहा है। नाटो ने भारत, चीन और ब्राजील पर सौ प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी है। नाटो के महासचिव मार्क रूट ने बुधवार को बेहद बेबाक तरीके से कहा कि भारत के प्रधानमंत्री हों या ब्राजील के राष्ट्रपति हों या चीन के राष्ट्रपति हों, इससे उनको कोई फर्क नहीं पड़ता। अगर कोई भी देश रूस के साथ व्यापार करता है, तो उसको भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। वह यह सलाह भी देते दिखाई दिए कि चीन, भारत और ब्राजील को रूस पर दबाव डालना चाहिए। जिससे वह शांति वार्ता को गंभीरता से लें और अगर यह ऐसा नहीं करते और रूस से तेल और गैस खरीदना जारी रखते हैं तो इन देशों पर सौ प्रतिशत सैंकेंडरी प्रतिबंध लगाया जाएगा। रूस ने नाटो महासचिव की इस धमकी को पूरी तरह खारिज किया है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई रियाबकोव ने हालांकि कहा कि रूस ट्रम्प के साथ बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन इस तरह के अल्टीमेटम संज़ूर नहीं हैं और अगर नाटो व अमेरिका व्यापार को लेकर ऐसा ही रवैया अपनाएंगे, तो रूस भी ऑप्शनल बिजनेस रूट तलाशेगा यानि नए साथी बनाएगा। डोनाल्ड ट्रम्प पहले ही व्यापार को लेकर बेहद आक्रामक मुद्रा में दिखाई दे रहे हैं। वह व्यापार को लेकर किस तरह का नजरिया रखते हैं, इसका पता उनके यह कहने से चल जाता है कि वह ट्रेड को कई चीजों के लिए इस्तेमाल करते हैं, लेकिन यह युद्ध खत्म करने के लिए बहुत अच्छा है। वह अपने इस अल्टीमेटम का बचाव कर रहे थे जो उन्होंने रूस को कहकर दिया कि अगर राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन 50 दिन में यूक्रेन के साथ शांति समझौता नहीं करेंगे, तो उस पर सौ प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। भारत-पाक के बीच जो सीज फायर हुआ था, उसका श्रेय भी ट्रम्प ने यह कहकर कई बार लेने की कोशिश की कि उन्होंने दोनों देशों से व्यापार की धमकी देकर युद्ध को रुकवाया था। यह बात अलग है कि भारत ने कभी भी यह स्वीकार नहीं किया और ट्रम्प के दावे को खारिज किया, लेकिन ट्रम्प के व्यवहार में कोई कमी आती दिखाई नहीं दी। इसमें कोई दोराय नहीं कि हर देश को यह हक है कि वह अपने हितों को देखकर व्यापार करें। इसमें कोई बुराई भी नहीं है। बुराई तब पैदा होती है जब कोई देश दूसरे के हित की अन्देखी करता है और अपने ही हितों को साधने की कोशिश करता है, जैसाकि अमेरिका इस समय करता दिखाई दे रहा है और अब तो उसके साथ नाटो भी लग गया है। अमेरिका चाहता है कि उसके लिए दुनियाभर के बाजार खुलें। वह भी बिना कुछ दिए, यानि उसके सामानों पर किसी तरह का कोई टैक्स न लगे, लेकिन जो सामान अमेरिका आए उस पर भारी टैक्स लगाया जाए। इसे कहीं से भी तर्कसंगत नहीं कहा जा सकता और यूं भी अमेरिका अभी भी विश्व की सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति है। इस नाते तो उसका और भी कर्तव्य बढ़ जाता है कि वह छोटे व विकासशील देशों का ध्यान रखे। भारत के साथ अभी तक यूं तो उसको कोई ट्रेड डील सामने नहीं आई, लेकिन ट्रम्प खुद ही उम्मीद जताते दिखाई दे रहे हैं कह रहे कि हमें इंडियन मार्केट में पहुंच मिलने वाली है।

इसी दिन का भी इंतजार कर रहे थे

मैं मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी का आभारी हूँ कि उन्होंने केंद्र के समक्ष जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे का मुद्दा उठाया, हम तो इसी दिन का भी इंतजार कर रहे थे जब विपक्ष संसद और दिल्ली में हमारी आवाज उठाएगा, हम ऐसी कोई चीज नहीं मांग रहे, जिसका हमसे वादा न किया गया हो, संसद में और संसद के बाहर सार्वजनिक कार्यक्रमों में और शीर्ष न्यायालय में भी बार-बार कहा गया है कि उचित समय पर जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिया जाएगा, जब शीर्ष न्यायालय ने अपना फैसला सुनाया था, तो उसने कहा था कि जम्मू-कश्मीर को जल्द से जल्द राज्य का दर्जा दिया जाना चाहिए, जितनी जल्दी हो सके वाले वाक्य का अब औचित्य नहीं रहा और समय आ गया है कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिया जाए। —उमर अब्दुल्ला, मुख्यमंत्री, जम्मू-कश्मीर



जैव-विज्ञान के इतिहास में कुछ ऐसे क्षण आते हैं, जब विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं की सीमा से बाहर निकलकर मानव भविष्य को बदलने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम उठाता है। जून 2025 का महीना भी ऐसा ही एक ऐतिहासिक समय बन गया, जब वैज्ञानिकों ने दुनिया के सबसे आश्चर्यजनक जीवों में से एक एक्सोलोटल की अंग-पुनर्जनन क्षमता का रहस्य उजागर कर दिया। यह खोज न केवल वैज्ञानिक दृष्टिकोण से महान उपलब्धि है, बल्कि यह भविष्य में मानव शरीर के अंगों की मरम्मत, अंग पुनः उत्पत्ति और चोटों के बाद अंगों की पुनर्स्थापना के लिए मार्ग प्रशस्त कर सकती है।

एक्सोलोटल, जिसे मेक्सिकन वॉकिंग फिश भी कहा जाता है, वास्तव में एक उभयचर (Amphibian) है और यह विशेष रूप से अपनी असाधारण क्षमता के लिए जाना जाता है। यह अपने शरीर के कटे हुए अंगों को पुनः विकसित कर सकता है, चाहे वह हाथ-पैर हो, रोढ़ की हड्डी हो, मस्तिष्क का भाग हो या यहां तक कि दिल का कुछ हिस्सा भी। वैज्ञानिकों ने दशकों से इस रहस्य को सुलझाने की कोशिश की थी कि आखिर कैसे एक्सोलोटल बिना किसी जखम या निशान के पूरे अंग को फिर से उगा लेता है, लेकिन जून 2025 में नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने इस गूढ़ रहस्य की जड़ तक पहुंचने में सफलता प्राप्त की।

इस अनुसंधान की मुख्य खोज रही CYP26B1 एंजाइम की भूमिका। इस एंजाइम का कार्य शरीर के एक विशेष अणु, रेटिनोइक एसिड (Retinoic Acid) को तोड़ना है। यह अणु शरीर के विभिन्न हिस्सों को यह स्थिति संकेत देता है कि वे शरीर के किस भाग में स्थित हैं जैसे कि कंधे, कोहनी या अंगुलियां। जब एक्सोलोटल का कोई अंग कटता है, तो पुनर्जनन प्रक्रिया शुरू होती है। इस प्रक्रिया में कोशिकाएं एक ब्ल्यास्टेमा नामक संरचना बनाती हैं, जो मूल रूप से स्टेम सेल्स से भरी एक निर्माण इकाई होती है। अब प्रश्न यह था कि ए स्टेम सेल्स कैसे जानती हैं कि उन्हें क्या बनाना है? कोहनी? अंगुली? या पूरा हाथ?

CYP26B1 एंजाइम इस प्रक्रिया में मुख्य भूमिका निभाता है। यह एंजाइम रेटिनोइक एसिड को कंधे की ओर अधिक मात्रा में रहने देता है और हाथ की ओर इसे तोड़ता है। इस कारण एक प्रकार का जैविक कोमिकल मैप बनता है जो कोशिकाओं को यह दिशा देता है कि वे कहाँ हैं और उन्हें कौन सा अंग बनाना है। इस खोज ने पहली बार यह

‘एक्सोलोटल’ की अंग पुनर्जनन क्षमता का रहस्य उजागर



वैज्ञानिक प्रमाण दिया कि अंग-पुनर्जनन में रासायनिक संकेतों की दिशा और तीव्रता किस प्रकार निर्णायक होती है।

इस शोध में एक और दिलचस्प प्रयोग किया गया। वैज्ञानिकों ने एक दवा टालारोजोल (Talarozole) का उपयोग किया, जो CYP26B1 एंजाइम को अवरुद्ध कर देती है। जब इस दवा का उपयोग कर एक्सोलोटल की कोहनी की कोशिकाओं में रेटिनोइक एसिड का स्तर बढ़ा दिया गया, तो वे कोशिकाएं यह समझने लगीं कि वे शरीर के ऊपरी हिस्से जैसे कंधे में हैं। परिणामस्वरूप उन्होंने एक नया पूरा हाथ विकसित कर लिया यानी एक अंग से दो अंग निकल आए। यह घटना वैज्ञानिकों के लिए अत्यंत चौंकाने वाली थी, क्योंकि यह पहली बार हुआ कि कोशिकाओं की स्थिति की समझ को कृत्रिम रूप से बदला गया और उससे पूर्ण अंग का निर्माण हुआ।

इस खोज में एक अन्य महत्वपूर्ण जीन Shox की भूमिका भी स्पष्ट हुई। यह जीन मानवों और अन्य प्राणियों में हाथ-पैर की लंबाई और हड्डियों के विकास में भूमिका निभाता है। वैज्ञानिकों ने जब इस जीन को निष्क्रिय किया, तो एक्सोलोटल के पुनर्जीवित अंगों में विकृति देखी गई। विशेष रूप से ऊपरी हड्डियां अधूरी और असामान्य थीं। इसका तात्पर्य यह है कि Shox जीन अंग की संरचना और विस्तार को निर्देशित करता है। यदि

यह जीन निष्क्रिय हो जाए, तो कोशिकाएं जानती तो हैं कि वे कौन सा अंग बना रही हैं, लेकिन वे उसे सही रूप में नहीं बना पातीं। यह शोध इसलिए भी अद्भुत है क्योंकि यह मानवों के लिए अप्रत्यक्ष रूप से एक नई दिशा दिखाता है। मनुष्य का शरीर भी रेटिनोइक एसिड, CYP26B1 और Shox जैसे जीन और एंजाइम से युक्त होता है, लेकिन हमारे शरीर की चोटों पर प्रतिक्रिया जखम और दाग-धब्बों के रूप में होती है न कि अंग के पुनः निर्माण के रूप में।

इस शोध से यह संभावना बनती है कि यदि हम इन जैविक सिग्नलों को कृत्रिम रूप से नियंत्रित कर सकें, तो हम भी भविष्य में स्कारलेस वाउंड हीलिंग, अंग पुनर्चना और स्टेम सेल आधारित उपचार विकसित कर सकते हैं। यह खोज केवल जैविक दृष्टिकोण से ही नहीं, बल्कि नैतिक, सामाजिक और चिकित्सा दृष्टिकोण से भी अत्यंत गहन है। मान लीजिए भविष्य में मानव हाथ या पैर कट जाने पर पुनः उगाए जा सकें, तो इसकी चिकित्सा, बीमा, पुनर्वास और कानून से संबंधित समस्याएं भी उत्पन्न होंगी, लेकिन साथ ही यह उन लोगों के लिए आशा की किरण होगी जो दुर्घटनाओं, जन्मजात विकारों या युद्धों में अपने अंगों को खो चुके हैं।

इस शोध का तकनीकी पक्ष भी उतना ही प्रभावशाली है। वैज्ञानिकों ने RNA अनुक्रमण, CRISPR तकनीक, इन-विवो इमेजिंग और जनरल स्टेम सेल विश्लेषण का प्रयोग करके पूरे पुनर्जनन प्रक्रिया को सूक्ष्मतम स्तर पर समझा। उन्होंने एक्सोलोटल के शरीर में रासायनिक संकेतों की दिशा, समय और घनत्व का सटीक मानचित्र तैयार किया, जो किसी भी पुनर्जीवन चिकित्सा के लिए आधारभूत उपकरण बन सकता है। वर्तमान में वैज्ञानिक मानव त्वचा की मरम्मत, यकृत उतकों के पुनर्निर्माण और रीढ़ की हड्डी की मरम्मत जैसे प्रयोग कर रहे हैं, लेकिन अंग-पुनर्जनन एक अलग ही स्तर की चिकित्सा क्रांति होगी। एक्सोलोटल की यह खोज इसमें नांव का पत्थर सिद्ध हो सकती है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि इस खोज के प्रभाव केवल चिकित्सा



तक सीमित नहीं हैं। सेना, अंतरिक्ष विज्ञान, खेल जगत, औद्योगिक दुर्घटनाओं से पीड़ित व्यक्तियों, और यहां तक कि कृत्रिम अंग उद्योग पर भी इसका प्रभाव पड़ सकता है। जब मनुष्य स्वयं अंग पुनः उत्पन्न करने में सक्षम हो जाएगा, तो कृत्रिम अंगों की आवश्यकता में कमी आ सकती है। साथ ही इस दिशा में अनैतिक प्रयोगों की आशंका भी बढ़ेगी, जिसके लिए नीति-निर्माताओं और वैज्ञानिक समुदाय को पहले से ही तैयारी करनी होगी। जून 2025 की यह खोज केवल एक अंग पुनर्जनन का रहस्य उजागर नहीं करती, बल्कि यह एक व्यापक क्रांति की शुरुआत है एक ऐसा समय, जब विज्ञान और प्रकृति के अद्भुत समन्वय से हम अपने शरीर की मरम्मत स्वयं कर सकने में सक्षम होंगे। यह उस विज्ञान की जीत है जो प्रकृति के सिद्धांतों को समझकर उन्हीं सिद्धांतों का उपयोग करके जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास करता है।

विज्ञान में यह खोज एक नए अध्याय की शुरुआत है मॉलिक्यूलर पॉजिशनल आइडेंटिटी का युग। जहां यह समझना संभव होगा कि कोशिकाएं कैसे अपने स्थान को जानती हैं, कैसे अंग की दिशा और रूपरेखा तय होती है और कैसे हम इन संकेतों को नियंत्रित करके शरीर में किसी भी प्रकार की जैविक मरम्मत कर सकते हैं।

यदि हम इस दिशा में शोध को आगे बढ़ाते हैं, तो संभवतः एक दिन हम न केवल अंग, बल्कि आंख, लीवर या यहां तक कि मस्तिष्क के कुछ हिस्सों को भी पुनः उत्पन्न करने में सफल होंगे। यह विज्ञान और चिकित्सा की सबसे बड़ी जीत होगी जब शरीर स्वयं को स्वयं ठीक कर सकेगा। एक्सोलोटल ने हमें वह झरोखा दिया है जिससे झांककर हम पुनर्योजन की दुनिया को देख सकते हैं। अब यह मनुष्य पर है कि वह उस झरोखे को दरवाजे में बदलता है या केवल प्रशंसा करके वहीं रुक जाता है।

मानसून में भारत की इन जगहों पर घूमने न जाएं

मानसून में बहुत लोग पहाड़ों पर घूमने का प्लान बना रहे हैं, लेकिन हदसे और बादल फटने की खबर से घबरा भी रहे हैं। ऐसे में अगर आप भी मानसून में कुछ दिनों में पहाड़ों पर घूमने का प्लान कर रही हैं, तो आपको भी अलर्ट हो जाना चाहिए, क्योंकि इस समय हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड की कुछ जगहों पर जाना बिलकुल भी सुरक्षित नहीं है। वहीं मौसम विभाग ने भी आने वाले दिनों के लिए अलर्ट जारी किया है।

इन जगहों पर जाना सेफ नहीं इन दिनों कुल्लू घूमने जाना खतरनाक साबित हो सकता है। क्योंकि कुल्लू में बादल फटने के कारण पानी का रौद्र रूप देखने को मिला है। कुल्लू में बादल फटने के बाद बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं, जिसकी वजह से जान-माल को काफी नुकसान हुआ है। ऐसे में मानसून में कुल्लू घूमने जाना सेफ नहीं है।

कांगड़ा कांगड़ा में भी बादल फटने की वजह से काफी नुकसान देखने को मिला है। पानी के तेज बहाव में कई गाड़ियां भी बह गई। ऐसे में अगर आप भी कांगड़ा घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो सेफ्टी के लिहाज से आपको लो. केशन बरल लेनी चाहिए। आप मानसून में पहाड़ी इलाकों से दूर अन्य हिल स्टेशन पर घूमने के लिए जा



सकते हैं। क्योंकि मानसून में किसी भी पहाड़ी इलाके में यात्रा करना सुरक्षित नहीं है।

मंडी कुल्ली में बादल फटने की खबर के बाद मंडी जिला प्रशासन द्वारा अलर्ट जारी किया गया है। प्रशासन की ओर से कहा गया है कि ब्यास नदी के किनारे से दूर रहें। क्योंकि पानी के बहाव और बारिश के कारण हादसा हो सकता है। ऐसे में यात्रियों को इन बातों का खास ध्यान रखना चाहिए।

मणिकर्ण मानसून में मणिकर्ण साहिब दर्शन का प्लान बनाना भी काफी खतरनाक साबित हो सकता है। बोते दिनों ब्रह्मगंगा और गडसा के गोमती नदी में बादल के फटने से पानी का स्तर अचानक से तेज हो गया। ऐसे में अगर आप मणिकर्ण जाने का प्लान बना रहे हैं, तो इस समय यहां जाना सुरक्षित नहीं है। वहीं अगर आप मणिकर्ण में हैं और ज्यादा बारिश हो रही है, तो प्रयास करें कि होटल में रहे।

इस एक्ट को भी कोई नाम दीजिए जनाब

याद कीजिए 31 मार्च, 2016 को राज्य में हो रहे चुनावी दंगल के बीच कोलकाता में विवेकानंद फ्लाईओवर गिरने की घटना और उसके बाद इस हादसे पर हुई जबरदस्त राजनैतिक बयानबाजी को। इस हादसे को लेकर बंगाल की ममता सरकार पर कटाक्ष करते हुए पीएम मोदी ने जबरदस्त हमला बोला था। उस हादसे में 25 लोग मारे गए थे। पुल निर्माता कम्पनी ने इस हादसे को दैवीय कृत्य बताकर हादसे के कारण पर पर्दा डालने की कोशिश की थी परन्तु उसी दौरान बंगाल में अपनी चुनावी सभाओं में इस हादसे को जोरदार चुनावी मुद्दा बनाते हुए तरह-तरह की बातें की थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर मौत की राजनीति करने का आरोप लगाया था। मोदी ने कहा था कि कोलकाता में हुआ फ्लाई ओवर हादसा दैविक संदेश है कि लोग बंगाल को तृणमूल कांग्रेस से बचाएं। यह एक्ट ऑफ गॉड नहीं एक्ट ऑफ फ्रॉड है। प्रधानमंत्री ने उस समय कहा था कि वामपंथ और दक्षिणपंथ को भूल जाइए, उनके बारे में चिंता कीजिए जो मर रहे हैं। कम से कम मृतकों को तो सम्मान दीजिए, लेकिन दीदी को मरते लोग नहीं, कुर्सी दिखाई पड़ती है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा था कि उनकी (ममता) बेशर्मी तो देखिए। यह एक बड़ा हादसा था, लेकिन उन्होंने आरोप-प्रत्यारोप का खेल शुरू कर दिया। लेकिन यहां तक कह दिया कि ठेका पछिली वाम मोर्चा की सरकार के शासनकाल में दिया गया था। मैं दीदी से यह बात पूछना चाहता हूँ कि पुल निर्माण कार्य

पूरा होने के बाद इसके उद्घाटन के वक्त उन्होंने क्या यह बात कही कि इसका ठेका वाम मोर्चे की सरकार ने दिया था? नहीं, आपने इसका श्रेय लिया। अब चूँकि यह गिर चुका है, इसलिए आप दूसरों पर आरोप लगा रहे हैं। यह आपकी पैसे और मौत को राजनीति का एक हिस्सा है। उसी समय मोदी ने बड़े गर्व से यह भी फरमाया था कि जिस राज्य में भाजपा की सरकार है, वहां चौतरफा विकास हो रहा है। आपने बंगाल में वाम और तृणमूल को बहुत देखा और दोनों ने बंगाल को बर्बाद करने के लिए सब कुछ किया। भाजपा को एक मौका दीजिए और हम आपको दिखाएंगे कि विकास का मतलब क्या होता है परन्तु इत्तेफाक से मोदी को इस भाषण के बाद ही भाजपा शासित राज्यों के कथित विकास मॉडल की जो पोल खुलनी शुरू हुई वह परत दर परत खुलती ही जा रही है।

खासकर भाजपा शासित उस गुजरात राज्य की जिस के विकास मॉडल का नाम पर 2013 से लेकर देश को टंगा जा रहा था परन्तु एक के बाद एक कई बड़े हादसे होने के बाद अब गुजरात मॉडल का नाम लेना कम हो गया है। अन्य भाजपा शासित राज्यों की तो बात ही छोड़िए केवल गुजरात में ही हाल के वर्षों में कई पुल टूटने की घटनाएं सामने आई हैं। इनमें अभी ताजातरीन घटना महिसागर नदी पर बने वडोदरा और आणंद को जोड़ने वाले गंधीरा ब्रिज के ढह जाने की हुई। दश 9 जुलाई को यह विशाल एवं व्यस्त पुल ढह गया जिसके चलते 5 वाहन नदी में गिर गए। इस हादसे में 17 लोगों की मौत की खबर है जबकि कई लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि खरखाव के



निर्मल रानी

अभाव के चलते यह व्यस्त पुल जर्जर होता जा रहा था जो सरकार की अनदेखी के कारण एक बड़े हादसे की नौबत तक आ पहुंचा। इसी मॉडल राज्य में 30 अक्टूबर 2022 को मोरबी केबल ब्रिज हादसा हुआ था जबकि मच्छु नदी पर बना सस्पेंशन ब्रिज टूट गया था। 7 महीने के नवीनीकरण के बाद पर्यटकों हेतु यह पुल खोला गया था। इस सस्पेंशन ब्रिज टूटने के हादसे के समय पुल पर 300 से अधिक लोग मौजूद थे, जो इसकी क्षमता से ज्यादा थे। इस हादसे में 135 लोगों की मौत हुई थी और 56 लोग घायल हुए थे। उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राहत कार्यों का निर्देश दिया था और मृतकों के लिए 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की थी। इसी तरह गुजरात में ही 24 सितंबर 2023 को सुरेंद्रनगर ब्रिज हादसा हुआ था, जबकि सुरेंद्रनगर, राष्ट्रीय राजमार्ग को चूड़ा से जोड़ने वाला 40 साल पुराना पुल टूट गया था। इस हादसे में एक ट्रक सहित कई वाहन नदी में गिर गए थे।

यह पुल भी जर्जर संरचना और भारी वाहनों के दबाव के चलते ध्वस्त हुआ था। इसी तरह बुलंद ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए निर्माणाधीन एक पुल वासय, आणंद में



टूट गया। 5 नवम्बर 2024 को हुए इस हादसे में 3 मजदूरों की मौत हुई थी। इस हादसे का कारण भी निर्माण में खामियां की संभावना बताई गए थी। इसी तरह 24 जनवरी 2020 को मेहसाणा में खारी नदी पर बना पुल टूट गया था तो 21 दिसम्बर 2021 को अहमदाबाद में मुमतापुर पुल का एक भाग टूट गया। जबकि जून 2025 में बोटोद में पाटलिया नदी पर बना पुल बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हो गया था। सवाल यह है कि मॉडल राज्य गुजरात में होने वाले ऐसे हादसे क्या भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम नहीं? निश्चित रूप से गुजरात में पुल टूटने की इस तरह की घटनाएं संरचनात्मक सुरक्षा और रख-रखाव की कमी को उजागर करती हैं। और बार-बार होने वाले ऐसे हादसों से जनता में सरकार के प्रति अविश्वास बढ़ता है।

इसी तरह उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश या राजस्थान इन सभी भाजपा शासित राज्यों में कहीं निर्माणाधीन सड़कें बह रही हैं कहीं उद्घाटन से पूर्व कई प्रोजेक्ट धराशायी हुआ जा रहा है। याद कीजिए महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले के मालवन में स्थित राजकोट किले में केवल आठ माह पूर्व छत्रपति

शिवाजी महाराज की जिस 35 फुट ऊंची मूर्ति का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों गया था वह प्रतिमा 26 अगस्त 24 को ताश के पत्तों की तरह ढह गई। उस समय चुनावी बेला में समय को भांपते हुए शिवाजी महाराज की इस प्रतिमा ढहने के मामले पर स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को छत्रपति शिवाजी से माफी मांगने के लिए सार्वजनिक रूप से सामने आना पड़ा था। उस समय मोदी ने कहा था कि छत्रपति शिवाजी महाराज न केवल हमारे लिए एक महान व्यक्ति हैं, बल्कि वह हमारे आदर्श हैं। मैं उस मूर्ति के चरणों में झुक रहा हूँ और अब उनसे सिर झुकाकर माफी मांग रहा हूँ। हमारे लिए शिवाजी आराध्य देव हैं परन्तु भाजपा शासित राज्यों में हुए बड़े से बड़े हादसों पर और आम लोगों की मौत की जिम्मेदारी लेना तो दूर न तो इनके लिए कभी मुआफ़ी मांगी गई न ही खेद जताया गया। सवाल यह है कि जब कोलकाता का एक फ्लाई ओवर ढहना प्रधानमंत्री की जरूरतों में एक्ट ऑफ फ्रॉड था तो गुजरात व अन्य भाजपा शासित राज्यों में हो रहे रहें इस तरह के श्पेक्टश को भी तो कोई नाम दीजिए जनाब?

(ये लेखक को निजी विचार हैं)

देश / विदेश से एम.बी.बी.एस करें एडमिशन के लिए सम्पर्क करें

- रशिया
- जॉर्जिया
- कजाखस्तान
- किर्गिस्तान
- उजबेकिस्तान
- बांग्लादेश
- नेपाल
- थाईलैंड
- इरान
- इजिप्ट
- यू.के.
- कनाडा
- यू.एस.ए.

और भी देशों से



Since
2010

अनुम कलीम (एम.डी.)

M.B.B.S./M.D.

BDS, BAMS, BUMS, BEMS

Abroad Admission
& Counselling For India

- Top Govt. Universities.
- MCI, WHO Approved Universities.
- Indian Hostel & Mess Available.
- Lowest Price Packages.
- Boys/Girls Hostels Are Separates Available.

8384872313

9457439020



अपना एम.बी.बी.एस. 25 से 27 लाख में पूरा करें

जिसमें ट्यूशन फीस, होस्टल फीस, खाना 3 टाइम
(वेज/नॉनवेज), वीजा एक्सटेंशन, इंश्योरेंस, मेडिकल, ट्रांसपोर्टेशन, लॉन्डरी,
एफ.एम.जी. ई. कॉयिंग, 15 इंडियन बेस्ट फॅकल्टी के द्वारा दी जा रही है
471 वयें जनवरी एफ.एम.जी.ई. एक्जाम में पास हुए (अन्य कोई खर्चा नहीं)

www.mbbsbijnor.com

ADD : MBBS ABROAD CONSULTANCY, MOIN KA CHAURANA, CHANSHIREEN JAMA MASJID, B-21, BIJNOR (U.P.)